मेरी किस्मत | By Sanjay Soni

तूने मुझको अपनाया है
ये मेरी किस्मत है श्याम
हारे हुए को गले लगाना
तेरी तो आदत है श्याम

कोई मसीहा .....
कोई मसीहा मुझको मिला ना
पल पल मैं तो रोता रहा
मैंने अपना फ़र्ज़ निभाया
धोखा ही बस होता रहा
हाथ पकड़ के तूने संभाला
खुशी से आँख भिगोता रहा

तेरे नाम की .....
तेरे नाम की ज्योत सांवरे
मेरे घर भी जलने लगी
तेरी सेवा में खुशियां जो
वो परिवार को मिलने लगी
तेरी कृपा की छइयां पाकर
मेरी गृहस्थी पलने लगी

अब तो रोज़ ही .....
अब तो रोज़ ही तेरी सेवा
सबसे ज़रूरी लगती है
चोखानी संग मेरे घर में
तेरी महफ़िल सजती है
जो भी तेरे शरणागत हैं
उसकी नहीं बिगड़ती है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b8%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a4%a4-by-sanjay-soni/